मनचाहा क्रिएशन से लेकर सौ साल पुराने एंटीक तक, 60% बचत के साथ जयपुर रग्स उत्सव में उपलब्ध

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर शिल्प और सामाजिक उद्यमिता का प्रतीक बन चुका जयपुर रग्स अपने रग उत्सव में क्रिएटिविटी, कल्चर और इम्पैक्ट का भव्य उत्सव 3 सितम्बर से शुरू हुए इस साल का एडिशन अब तक के सभी आयोजनों से अलग है, जिसमें 14,000 से अधिक हैंडमेड रग्स का अद्भुत संग्रह शामिल है, जो भारत की बुनाई परंपराओं की आत्मा को आज की डिजाइन के साथ सुन्दरता से जोड़ता है इस वर्ष का क्यूरेशन आलम, जेनेसिस, सवाना, कॉन्कॉक्शन, दा हास, वुंडरकैमर, कलीएडो, क्लैन, बेसिस, लाकुना, एर्बे, इंडसबार, नोमैडिक थ्रेड्स, अकार, और कॉन्टूर जैसी सिग्नेचर कलेक्शंस को प्रस्तुत करता है। फेस्टिवल की सबसे खास झलक है अवॉर्ड-विनिंग मनचाहा कलेक्शन के करीब 200 अनोखे रग्स जो सीधे ग्रामीण कारीगरों की कल्पनाओं से बुने गए हैं।संग्रहकताओं के लिए, रग उत्सव 2025 दुर्लभ अवसर लेकर आया है। इस रग उत्सव में 2,000 विंटेज रग्स 30-50 साल पुराने और 250 एंटीक रग्स 100 साल से अधिक पुराने प्रदर्शित हैं। यह इसे अपने तरह का सबसे बड़ा रग प्रदर्शनी बनाता है। बदलते वैश्विक व्यापार समीकरणों और बढ़े हुए एक्सपोर्ट टैरिफ के बीच, जयपुर रग्स ने कंज्यूमर-फर्स्ट कदम उठाया है। पहली बार पूरे संग्रह पर 60% तक की छूट दी जा रही है। इससे वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त, डिजाइनर-निर्मित रग्स डिजाइन प्रेमियों और संग्राहकों के लिए और भी सुलभ हो रहे हैं।